// भारतीय जनता पार्टी
केन्द्रीय कार्यालय
11, अशोक रोड, नई दिल्ली–110001
फोनः 23382234 / 35 फैक्सः 23782163

दिनांकः 26 नवम्बर 2007

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री किरण घई और महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष किरण माहेश्वरी का संयुक्त प्रेस वक्तव्य।

तस्लीमा की पुनः वापसी के संबंध में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का बयान देश में हुई निन्दा और दबाव में आकर दिया गया बयान है जिसके पीछे न तो सरकार की नीयत दिखाई देती है और न दृढ़इच्छाशक्ति। इस मामले में केन्द्र सरकार को आगे आकर तस्लीमा को तिब्बती शरणार्थियों के समान सुरक्षा और सम्मानपूर्वक भारत में रहने की गारंटी और सुविधा देनी चाहिए।

तस्लीमा प्रकरण में कांग्रेस और पश्चिम बंगाल की माकपा सरकार सहित सभी वामपंथी दलों का तथाकथित धर्मनिरपेक्ष चेहरा बेनकाब हो गया है और वह सत्ता लोलुप चेहरा सामने आया है जो 'वोट बैंक' के लोभ में साम्प्रदायिक कट्टरपंथियों के सामने पूरी तरह आत्मसर्मपण कर देता है। भारत आयी एक विदेशी लेखिका के सुरक्षा और सम्मानपूर्वक रहने के अधिकार का सवाल हो या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अथवा इस मुद्दे पर पूरी दुनिया में धूमिल होती छवि का–सबकी परवाह किये बिना मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति के तहत तस्लीमा नसरीन के साथ पश्चिम बंगाल सरकार का व्यवहार अत्यन्त निर्मम और अपमानजनक तथा कट्टरपंथी उपद्रवी तत्वों का समर्थक रहा ही। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सहित कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी की चुप्पी भी कम आपराधिक नहीं।

पूरे देश में बने दबाव के सामने झुककर यदि पश्चिम बंगाल सरकार तस्लीमा को कलकत्ता लाने पर सहमति भी जताती है तो उसके वरीय अधिकारियों द्वारा तस्लीमा को अगले साल में प्रारंभ होने वाले पुस्तक मेला तक कलकत्ता से बाहर रहने की सलाह दिये जाने से मुख्यमंत्री के आश्वासन का खोखलापन सामने आ जाता है। यही नहीं भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की ओर से तस्लीमा को भारत छोड़कर चले जाने की सलाह से केन्द्र सरकार की नीयत का संकेत भी मिलता है। इससे निश्चित रूप से भारत की साख पर आंच आयेगी।

इस प्रकरण में पूरे देश ने यह देखा कि सैक्युलर मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा का झंडाबरदार होने का दावा करने वाली तथाकथित धर्मनिरपेक्ष माकपा शासित राज्य में तो तस्लीमा नरसीम अपमानित और असुरक्षित रही परन्तु भाजपा शासित राज्य में उनकी सुरक्षा और सम्मान पर कोई आंच नहीं आयी।

भारत की लोकतांत्रिक परम्परा और मूल्यों का तकाजा है कि केन्द्र सरकार अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए तस्लीमा की सुरक्षा और सम्मानपूर्वक भारत रहना सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़कर उन्हें राजनैतिक शरणार्थी योग्य कदम उठाये।

(श्याम जाजू)
मुख्यालय प्रभारी

Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com